किंग्सवे कैंप-दिल्ली। माननीया मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता से मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. पूनम दीदी,शालीमार बाग, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. तारा बहन। साथ हैं ब्र.कु. प्वाइंट बहन तथा अन्य।

अम्बाला-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नारी सशक्तिकरण की प्रत्यक्ष उदाहरण स्वरूप राजयोगिनी ब्र.कु. कृष्णा दीदी की प्रथम पुण्यतिथि पर दयाल बाग द्वारा खुखैरन भवन में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए पंजाब ज़ोन निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी। साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. उत्तरा दीदी,पंजाब ज़ोन निदेशिका एवं राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी,अंबाला सबज़ोन निदेशिका।

फर्रूखाबाद-बीबीगंज(उ.प्र.)। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शिव ध्वजारोहण के पश्चात् परमात्म स्मृति में विधायक सुशील शाक्य, श्रीमती भारती मिश्रा,राष्ट्रीय कवि, पीठाधीश्वर स्वामी ईश्वरदास जी महाराज, जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी, एसडीएम गजराज सिंह, सुरेश चन्द्र गोयल, रोहित गोयल,अध्यक्ष युवा व्यापार मण्डल, ब्र.कु. गिरिजा, ब्र.कु. मंजू तथा अन्य।

कृष्णा नगर-भरतपुर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी के चतुर्थ पुण्य स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धासुमन अर्पित करने के पश्चात् समूह चित्र में आगरा सबज़ोन की सह प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. कविता दीदी, डॉ. योगेन्द्र सिंह,पशुपालन विभाग के पूर्व निदेशक, सत्यनारायण शर्मा,पूर्व जनरल मैनेजर पीएनबी, ब्र.कु. पावन बहन, ब्र.कु. संस्कृति,भुसावर, ब्र.कु. रजनी तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

मोहन नगर-आगरा(उ.प्र.)। डॉ. मुकेश गोयल,ऑनर गोयल हॉस्पिटल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. विनीता। साथ उपस्थित हैं हेल्थ एजुकेशन ऑफिसर चक्रवीर जी, ब्र.कु. शोभा, राजवीर,आर्मी सूबेदार एवं ब्र.कु. सुरेश।

हिसार-हरियाणा। पीस पैलेस,बालसमंद रोड ब्रह्माकुमारीज़ हिसार के स्वर्ण जयंती कार्यक्रम में उपस्थित रहे भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, विधायक श्रीमती सावित्री जिंदल, ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय, पंजाब ज़ोन इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी व राजयोगिनी ब्र.कु. उत्तरा दीदी, राजयोगी ब्र.कु. नथमल, ब्र.कु. लीना दीदी, हिसार सर्कल इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. रमेश दीदी तथा अन्य।

साइलेंस... एक पॉवरफुल मेडिसिन

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन,
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

कर्म और परमार्थ दोनों का बैलेंस ज़रूरी...

- गतांक से आगे...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि नाहाज़िर रहने पर भी केस जीत गए तो क्या कहेंगे? बाबा ने किया। यही कहते हैं ना कि बाबा ने किया। लेकिन कैसे किया बाबा ने? सर्वधर्म परित्यज्य, एक बाबा की शरण में आये तब बाबा ने काम किया। अब आगे पढ़ेंगे...

अब अठारहवें अध्याय में सर्व धर्म लेकिन कोई नहीं सोच पाता कि जब उस ज़माने में महाभारत के समय ना मुस्लिम थे, ना सिक्ख थे, ना ईसाई थे फिर भगवान ने कौन से धर्म की बात कही? ये कोई सोचता ही नहीं है। लेकिन हर इंसान के कितने धर्म हैं जिसके प्रति वो प्रतिबद्ध है। अगर वो कमिटमेंट मेरा पहला बाबा के साथ हो तो कहेंगे कि हाँ पहला धर्म मैंने बाबा के साथ निभाया। तो बाकी के धर्म को बाबा सम्भाल लेता है। इसलिए गीता में सफलता का सूत्र बताया सर्वधर्म परित्यज्य, मामेकम शरणम रज। तब सफलता सहजता से अनुभव होगी और ये स्वीट साइलेंस का जो सुकून मिलता है वो तभी मिलेगा। लेकिन इसका मतलब ये भी नहीं है कि लाइफ में इम्बैलेंस करें।

कर्म और परमार्थ दोनों का बैलेंस लेकर चलना है। व्यवहार और परमार्थ दोनों का बैलेंस लेकर चलना है। बैलेंस जीवन में बहुत ज़रूरी है। ये धर्मों को भी निभाने में बैलेंस बहुत ज़रूरी है। सर्व सम्बन्ध हमारे बाबा के साथ हों। लेकिन दुनिया के साथ जो सम्बन्ध निभाने का बैलेंस है वो भी हमें मेंटेन करते हुए चलना है। ये नहीं कि नहीं अभी छोड़ दो इन सबको। छोड़ना भी नहीं है, इसीलिए हमेशा मिसाल दिया जाता है- एक तो कमल पुष्प, दूसरा गुलाब का पुष्प। पहला क्या बनना है? गुलाब के पुष्प और कमल के पुष्प में क्या अंतर है? लेकिन पहला क्या बनना है कमल या गुलाब? अच्छा कैसे बनेंगे गुलाब? कमल का इसलिए कहा क्योंकि कमल की गृहस्थी बहुत बड़ी होती है। लेकिन उसके बावजूद भी न्यारा है और उसकी पंखुड़ियां इतनी कोमल कि कोई कीचड़ भी ठहर नहीं सकता। तो इसी तरह शुरू में जब हम बाबा के पास आते हैं तो कमल की तरह। रहना सबके बीच में है, बैलेंस से चलना है। उनका कीचड़ हमारे पर न लगे। इतना न्यारा और प्यारा होकर रहना है।

लेकिन फिर कमल के साथ-साथ पुरूषार्थ है हमारा गुलाब बनने का। गुलाब जो है ना वो भले जैसे कहा कि खाद से वो खुशबू देता है, कांटों के बीच में रहता है लेकिन एक गुलाब जब सम्पूर्ण खिल जाता है, खिलने के बाद उसकी पंखुड़ियां झड़ जाती हैं, वो पंखुड़ियां छोड़ देता है लेकिन कमल पंखुड़ियां छोड़ता नहीं है। वो न्यारा-प्यारा ज़रूर है, अपनी पंखुड़ियों पर कीचड़ लगने ही नहीं देता है। नीचे हो जाता है। तो पहले कमल होते हैं, कमल बनते हैं और फिर कमल के बाद हमारा पुरूषार्थ है गुलाब बनने का। जो एकदम ऐसे न्यारे हो जायें धीरे-धीरे सारी रेस्पॉन्सिबिलिटी को भी हमने निभाकर उसको भी पूरा कर सम्पन्न कर दिया। किसी को नाराज़ भी नहीं किया। सम्पूर्ण खिला हुआ रहे। अपनी खुशबू भी फैलाई। लेकिन सम्पूर्ण खिल करके सारी पत्तियों को झड़ करके बीच का जो बुर रह गया माना अशरीरी हो गया। तो ये स्वीट साइलेंस है।

-क्रमशः

बलंगा-हरिपुर रोड(ओडिशा)। ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ओडिशा राज्य की उप मुख्यमंत्री श्रीमती प्रवती परिदा, धार्मिक प्रभाग के जातीय संयोजक राजयोगी ब्र.कु. रामनाथ,माउंट आबू, दिव्यांग सेवा के जातीय संयोजक ब्र.कु. सूर्यमणि,माउंट आबू, ब्रह्माकुमारीज़ भुवनेश्वर उपक्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. लीना दीदी, ब्र.कु. द्रुमिला, ब्र.कु. मीरा भाई तथा अन्य।

गुरुग्राम-हरियाणा। सीआरपीएफ गुरुग्राम द्वारा प्लास्टिक थैलियों के इस्तेमाल के खिलाफ जागरूकता विषय पर कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में आशीष कुमार झा,केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, ब्र.कु. सुदेश तथा अन्य।